



Press Release

All IITs Registrars' conclave has begun in IIT Mandi

Registrars of 18 IITs of the country reached IIT Mandi, 3-day Registrars' Conclave Begins

Mandi, 18 April 2025. In a consequential move towards reimagining academic governance in nation's premium engineering institutions, IIT Mandi hosts a three day Annual Registrars' Conclave, which brought together 18 registrars and 3 Directors from IITs across the country. The event marks one of the largest gatherings of senior academic administrators from the IIT system in recent years. The conclave aims to encourage the discussion on strengthening academic administration, streamlining processes through automation, and enhancing the role of administration in research, both in the Indian and global contexts.

The conclave was inaugurated in the presence of **Prof. Laxmidhar Behera, Director, IIT Mandi**, and **Prof. Rajeev Ahuja, Director, IIT Ropar** along with the registrars from 18 IITs. While the event was virtually addressed by **Prof. Manoj Singh Gaur, Director, IIT Jammu**.

Stressing the importance of value-based leadership, **Prof. Laxmidhar Behera, Director, IIT Mandi**, called upon institutions to adopt values-based leadership principles grounded in the teachings of the Shrimad Bhagavad Gita. He stated, "There is no problem in life or in governance that has no solution in the Gita." Prof Behera also urged registrars to create systems that are transparent, efficient, and student-oriented.

Prof. Rajeev Ahuja, Director, IIT Ropar, said, "Registrars are the institutional memory, and also the backbone of continuity. Their administrative base is the key to keep the IIT brand alive in the world." Bringing his three decades of academic administration experience in Sweden, he reflected upon *The Role of Administration in research: Indian & European perspectives*.

Prof. Manoj Singh Gaur, Director, IIT Jammu, being an accomplished computer engineer and having first hand experience with institute automation system, shared his thoughts on *Automation of institutions of National Importance*. He addressed the conclave remotely, and said, "It is important that our institutions are at the forefront of automation, not just in the laboratories, but also in administration. Registrars' have to be the torchbearers of this change."



Dr. Kumar Sambhav Pandey, Registrar, IIT Mandi, stated, "This conclave is an initiative towards nation's commitment to strengthen the administrative backbone of India's finest institutions. Our vision is to work together to drive a new vision for responsive, technology-enabled, and mission-based governance."

The event witnessed the participation of senior administrators from 18 IITs across the country. The distinguished attendees included Dr. Jayesh Chandra S Pai (Retd) from IIT Bhilai; Bamadev Acharya, IIT Bhubaneswar; Ganesh K. Bhorkade, IIT Bombay; Atul Vyas, IIT Delhi; Dr. Kalyan Kumar Bhattacharjee, IIT Dharwad; Prem Kumar Chopra, IIT Gandhinagar; Dr. K. V. Reghuthaman, IIT Goa; Krishan Kumar Tiwari, IIT Guwahati; Venkat Rao Voleti, IIT Hyderabad; and Siba Prasad Hota, IIT Indore. Also present were Col. Virinder Singh Jeji (Retd), IIT Jodhpur; Dr. Ankur Gupta, IIT Kanpur; Vishwa Ranjan, IIT Kharagpur; Capt. Amit Jain (Retd), IIT Mandi; Dr. B.V. Ramesh, IIT Palakkad; Prashant Garg, IIT Roorkee, and Dr. Dinesh K. S, IIT Ropar. Their collective insights and expertise enriched the discussions and reinforced the importance of administrative collaboration across India's premier technical institutions

The conclave also offers a special platform for exchanging mutual concerns and building a common vision of administration for India's IITs. Sessions covered enhancing coordination between academic and administrative wings, timely implementation of academic processes, and institution-level strategies for enhancing research and innovation support.

Since India aspires to become a world knowledge economy, events like the Registrars' Conclave are important to future-proof the higher education ecosystem. This conclave's deliberations and decisions will undoubtedly set the administration agenda for the IITs and other Institutions of National Importance for the upcoming years.



प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी मंडी में शुरू हुआ सभी आईआईटी के रजिस्ट्रार्स का कॉन्क्लेव

देश के 18 आईआईटी के रजिस्ट्रार्स पहुंचे आईआईटी मंडी, तीन दिवसीय रजिस्ट्रार्स कॉन्क्लेव का शुभारंभ

मंडी, 18 अप्रैल 2025। देश के प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ और आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, आईआईटी मंडी में तीन दिवसीय वार्षिक रजिस्ट्रार्स कॉन्क्लेव की शुरुआत हुई। इस आयोजन में देशभर के 18 आईआईटी के रजिस्ट्रार्स और 3 निदेशक शामिल हुए, जो हाल के वर्षों में आईआईटी प्रणाली के वरिष्ठ प्रशासकों का सबसे बड़ा जमावड़ा माना जा रहा है।

कॉन्क्लेव का उद्देश्य शैक्षणिक प्रशासन को मजबूत करना, प्रक्रियाओं को ऑटोमेशन के माध्यम से सरल बनाना, और प्रशासन की भूमिका को भारतीय और वैश्विक अनुसंधान परिप्रेक्ष्य में और अधिक प्रभावशाली बनाना है।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन आईआईटी मंडी के निदेशक प्रो. लक्ष्मिधर बेहरा और आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा की उपस्थिति में हुआ, जबकि आईआईटी जम्मू के निदेशक प्रो. मनोज सिंह गौर ने वर्चुअल रूप से कार्यक्रम को संबोधित किया।

प्रो. लक्ष्मिधर बेहरा ने मूल्य-आधारित नेतृत्व की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि संस्थानों को श्रीमद् भगवद् गीता की शिक्षाओं पर आधारित नेतृत्व सिद्धांतों को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा, "जीवन या शासन में कोई भी समस्या ऐसी नहीं है जिसका समाधान गीता में न हो।" उन्होंने रजिस्ट्रार्स से पारदर्शी, प्रभावी और छात्र-केंद्रित प्रणाली विकसित करने का आग्रह किया।

आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा ने कहा, "रजिस्ट्रार्स संस्थानों की स्मृति होते हैं और निरंतरता की रीढ़ की हड्डी भी। उनका प्रशासनिक आधार ही विश्व में आईआईटी ब्रांड की पहचान को बनाए रखता है।" उन्होंने स्वीडन में अपने तीन दशकों के प्रशासनिक अनुभव को साझा करते हुए "अनुसंधान में प्रशासन की भूमिका – भारतीय और यूरोपीय दृष्टिकोण" पर विचार प्रस्तुत किए।

आईआईटी जम्मू के निदेशक प्रो. मनोज सिंह गौर, जो एक प्रतिष्ठित कंप्यूटर इंजीनियर हैं और स्वयं संस्थागत ऑटोमेशन में अग्रणी भूमिका निभा चुके हैं, उन्होंने अपने वर्चुअल संबोधन में कहा, "हमारे संस्थानों को सिर्फ प्रयोगशालाओं में ही नहीं, बल्कि प्रशासन में भी ऑटोमेशन की अग्रिम पंक्ति में होना चाहिए। इस परिवर्तन के torchbearer रजिस्ट्रार्स ही होंगे।"



आईआईटी मंडी के रजिस्ट्रार डॉ. कुमार सम्भव पांडेय ने कहा, “यह कॉन्क्लेव देश के प्रमुख संस्थानों की प्रशासनिक रीढ़ को मजबूत करने की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता की दिशा में एक पहल है। हमारा उद्देश्य है कि हम सभी मिलकर उत्तरदायी, तकनीक-सक्षम और लक्ष्य-आधारित प्रशासन की नई दृष्टि विकसित करें।”

इस कॉन्क्लेव में आईआईटी भिलाई से डॉ. जयेश चंद्र एस पाई (सेवानिवृत्त), आईआईटी भुवनेश्वर से बामदेव आचार्य, आईआईटी बॉम्बे से गणेश के. भोरकड़े, आईआईटी दिल्ली से अतुल व्यास, आईआईटी धारवाड़ से डॉ. कल्याण कुमार भट्टाचार्य, आईआईटी गांधीनगर से प्रेम कुमार चोपड़ा, आईआईटी गोवा से डॉ. के. वी. रघुधमन, आईआईटी गुवाहाटी से कृष्ण कुमार तिवारी, आईआईटी हैदराबाद से वेंकट राव वॉलेटी, आईआईटी इंदौर से सिबा प्रसाद होता, आईआईटी जोधपुर से कर्नल वीरेन्द्र सिंह जे जी (सेवानिवृत्त), आईआईटी कानपुर से डॉ. अंकुर गुप्ता, आईआईटी खड़गपुर से विश्व रंजन, आईआईटी मंडी से कैप्टन अमित जैन (सेवानिवृत्त), आईआईटी पलक्कड़ से डॉ. बी.वी. रमेश, आईआईटी रुड़की से प्रशांत गर्ग, और आईआईटी रोपड़ से डॉ. दिनेश के. एस जैसे वरिष्ठ प्रशासकों की उपस्थिति रही। उनके अनुभवों और विचारों से चर्चाओं को दिशा मिली और देश के तकनीकी संस्थानों में प्रशासनिक सहयोग की भावना को बल मिला।

कॉन्क्लेव एक ऐसा मंच भी प्रदान करता है जहां आपसी समस्याओं पर चर्चा कर साझा समाधान निकाला जा सके। चर्चा के प्रमुख विषयों में शैक्षणिक और प्रशासनिक इकाइयों के बीच समन्वय को बेहतर बनाना, शैक्षणिक प्रक्रियाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन, और अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए संस्थागत रणनीतियों का निर्माण शामिल है।

भारत को ज्ञान आधारित वैश्विक अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में अग्रसर करने के लिए, इस प्रकार के आयोजन उच्च शिक्षा प्रणाली को भविष्य के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस कॉन्क्लेव की चर्चाएं और निर्णय निस्संदेह आईआईटी जैसे राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थानों के प्रशासनिक एजेंडे को आगामी वर्षों के लिए दिशा प्रदान करेंगे।